

**DEPARTMENT OF DISTANCE EDUCATION
PUNJABI UNIVERSITY, PATIALA
Syllabus**

**M.A. (Hindi) Part-II
Semester III & IV
2015-2016 और 2016-2017**

एम.ए. भाग—दूसरा (सैमेस्टर—तीसरा)

तीसरे सैमेस्टर में विद्यार्थियों को कुल चार पेपरों का अध्ययन करना होगा, जिसमें से प्रथम तीन अनिवार्य होंगे। चौथे पेपर में तीन विकल्प होंगे, जिनमें से विद्यार्थी एक विकल्प चुनकर उसका अध्ययन करेंगे। प्रत्येक पेपर की बाह्य परीक्षा के 75 अंक होंगे व 25 अंक विभागीय आंतरिक मूल्यांकन पर आधारित होंगे।

पत्रों की रूपरेखा

पेपर पहला : आधुनिक हिन्दी काव्य—1
पेपर दूसरा : भारतीय काव्यशास्त्र
पेपर तीसरा : हिन्दी नाटक और निबंध
पेपर चौथा : वैकल्पिक अध्ययन :
विकल्प 3. कबीर : विशेष अध्ययन

पेपर पहला – आधुनिक हिन्दी काव्य—1

| | |
|---------------------------|--|
| कुल अंक : 100 | पास प्रतिशत : 35 |
| आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक | आंतरिक मूल्यांकन में पास होने के कुल अंक : 9 |
| लिखित परीक्षा : 75 अंक | लिखित परीक्षा में पास होने के लिए कुल अंक : 26 |
| | समय : 3 घण्टे |

निर्धारित पाठ्य पुस्तक

पद्यमाला, सम्पादक : डॉ. लालचन्द गुप्त 'मंगल', के.के. पब्लिकेशन्स, दिल्ली, केवल पाँच कवि— मैथिलीशरण गुप्त, प्रसाद, पंत, निराला, महादेवी।

छात्रों और परीक्षकों के लिए निर्देश

1. प्रथम प्रश्न सप्रसंग व्याख्या से संबंधित होगा, जिसमें प्रत्येक रचना से दो-दो व्याख्याएं 'अथवा' के विकल्प रूप में पूछी जाएंगी। पाठ्यक्रम से किसी भी

रचनाकार को छोड़ा नहीं जा सकता। तीनों कवियों की एक-एक व्याख्या अनिवार्य है। 6×3=18

2. निर्धारित कवियों/रचनाओं से सम्बद्ध अथवा रूपी विकल्प के साथ छह आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन का उत्तर देना होगा। उल्लेखनीय है कि आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित लेखकों की मूल रचनाओं के खंड विशेष (Text Book) तक ही सीमित न रखकर संबंधित लेखक की मूल रचना के सम्पूर्ण संदर्भ तथा उसके सम्पूर्ण रचनाकर्म पर भी केन्द्रित हो। 9×3=27

3 छह लघु प्रश्न (जिनके उत्तर छह-सात पंक्तियों तक सीमित हों) पूरे पाठ्यक्रम से बिना विकल्प के पूछे जाएंगे। सभी का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 6×5=30

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक-सूची

1. साकेत : एक अध्ययन- डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
2. कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन- डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना।
3. प्रसाद प्रतिभा- इन्द्रनाथ मदान।
4. निराला : रामविलास शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
5. निराला : एक आत्महंता आस्था - दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

पेपर दूसरा-भारतीय काव्यशास्त्र

कुल अंक : 100

आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक

लिखित परीक्षा : 75 अंक

पास प्रतिशत : 35

आंतरिक मूल्यांकन में पास होने के कुल अंक : 9

लिखित परीक्षा में पास होने के लिए कुल अंक : 26

समय : 3 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. काव्य का स्वरूप, काव्य प्रयोजन, काव्य हेतु और काव्यभेद : महाकाव्य, खंडकाव्य, गीति काव्य।
2. शब्द-शक्तिया : अभिधा, लक्षणा और व्यंजना।
3. छहसंप्रदाय : अलंकार, रीति, वक्रोक्ति, रस, ध्वनि और औचित्य। रस निष्पत्ति और साधारणीकरण।

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. इस पेपर में प्रश्न दो स्तरों पर पूछे जाएंगे, पहले स्तर पर आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से चार का उत्तर देना जरूरी होगा। यह प्रश्न परीक्षक पूरे पाठ्यक्रम से इस प्रकार पूछे कि छात्र को पूरे पाठ्यक्रम से उत्तर देना जरूरी हो। दूसरे स्तर पर पूरे पाठ्यक्रम से सात लघु प्रश्न बिना विकल्प के दिए जाएंगे, जिनका उत्तर छह—सात पंक्तियों में अनिवार्य है।

अंक विभाजन

चार दीर्घ प्रश्न — $10 \times 4 = 40$

सात लघु प्रश्न — $5 \times 7 = 35$

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत : गणपितचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. भारतीय काव्य शास्त्र : डॉ. योगेंद्रप्रताप सिंह— लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र : सत्यदेव चौधरी और शान्तिस्वरूप गुप्त।

पेपर तीन : हिन्दी नाटक और निबन्ध

कुल अंक : 100

पास प्रतिशत : 35

आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक

आंतरिक मूल्यांकन में पास होने के कुल अंक : 9

लिखित परीक्षा : 75 अंक

लिखित परीक्षा में पास होने के लिए कुल अंक : 26

समय : 3 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. 'स्कंदगुप्त' — जयशंकर प्रसाद
2. 'आधे अधूरे' — मोहन राकेश
3. 'चिंतामणि' : रामचंद्र शुक्ल, पाँच निबन्ध (श्रद्धा—भक्ति, करुणा, ईर्ष्या, क्रोध, साधारणीकरण और व्यक्ति— वैचित्र्यवाद)

छात्रों और परीक्षकों के लिए निर्देश

1. प्रथम प्रश्न सप्रसंग व्याख्या से संबंधित होगा, जिसमें प्रत्येक रचना से दो—दो व्याख्याएं 'अथवा' के साथ शत—प्रतिशत विकल्प रूप में पूछी जाएंगी। पाठ्यक्रम से

किसी भी रचनाकार को छोड़ा नहीं जा सकता। तीनों रचनाओं की एक-एक व्याख्या अनिवार्य है। 6×3=18

2. निर्धारित लेखकों/रचनाओं से सम्बद्ध अथवा रूपी विकल्प के साथ छह आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन का उत्तर देना होगा। उल्लेखनीय है कि आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित लेखकों की मूल रचनाओं के खंड विशेष (Text Book) तक ही सीमित न रखकर संबंधित लेखक की मूल रचना के सम्पूर्ण संदर्भ तथा उसके सम्पूर्ण रचनाकर्म पर भी केन्द्रित हो। 9×3=27

3. छह लघु प्रश्न (जिनके उत्तर छह-सात पंक्तियों तक सीमित हों) पूरे पाठ्यक्रम से बिना विकल्प के पूछे जाएंगे। सभी का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 6×5=30

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक-सूची

1. हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास, डॉ. दशरथ ओझा।
2. हिन्दी नाटक और रंगमंच : डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल।
3. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक : रामजन्म शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. आधुनिक हिन्दी नाटक : बच्चन सिंह।
5. आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना : रामविलास शर्मा।
6. मोहन राकेश और उनका रंग-कर्म : जयदेव तनेजा।

पेपर चार : (विकल्प-3) कबीर : विशेष अध्ययन

कुल अंक : 100

पास प्रतिशत : 35

आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक

आंतरिक मूल्यांकन में पास होने के कुल अंक : 9

लिखित परीक्षा : 75 अंक

लिखित परीक्षा में पास होने के लिए कुल अंक : 26

समय : 3 घण्टे

कबीर ग्रन्थावली : सम्पा. श्यामसुन्दर दास (नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।)

1. साखी : भाग- 1, 2, 3, 4, 11, 12, 13, 16, 21 कुल 9
2. पदावली : संख्या 51 से 100 तक

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. प्रथम प्रश्न सप्रसंग व्याख्या से संबंधित होगा, जिसमें निर्धारित पुस्तक से अथवा रूपी विकल्प सहित छह पद्यांश दिये जायेंगे, जिनमें से परीक्षार्थी तीन प्रसंगों की व्याख्या करेगा। (6×3=18)

2. प्रश्न पत्र के दूसरे खण्ड में 'कबीर दास से सम्बन्धित' छह प्रश्न 'अथवा' रूपी विकल्प सहित पूछे जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थी को तीन का उत्तर देना होगा।

(9×3=27)

3. तीसरे खण्ड में बिना किसी विकल्प छह लघु प्रश्नों के उत्तर छह-सात पंक्तियों में देना अनिवार्य होगा।

(5×6=30)

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. कबीर : सम्पा. विजयेंद्र स्नातक।
2. कबीर की विचारधारा : गोविन्द त्रिगुणायत।
3. कबीर साहित्य की परख : परशुराम चतुर्वेदी।
4. कबीर का लोकतात्विक चिन्तन : सुखविन्दर कौर बाठ।
5. कबीर : एक अनुशीलन : रामकुमार वर्मा।
6. कबीर मीमांसा : रामचन्द्र तिवारी।

एम.ए. भाग—दूसरा (सैमेस्टर—चौथा)

चौथे सैमेस्टर में विद्यार्थियों को कुल चार पेपरों का अध्ययन करना होगा, जिसमें से प्रथम तीन अनिवार्य होंगे। चौथे पेपर में तीन विकल्प होंगे, जिनमें से विद्यार्थी एक विकल्प चुनकर उसका अध्ययन करेंगे। प्रत्येक पेपर की बाह्य परीक्षा के 75 अंक होंगे व 25 अंक विभागीय आंतरिक मूल्यांकन पर आधारित होंगे।

पत्रों की रूपरेखा

पेपर पहला : आधुनिक हिन्दी काव्य—2

पेपर दूसरा : पाश्चात्य काव्य—शास्त्र

पेपर तीसरा : प्रयोजनमूलक हिन्दी

पेपर चौथा : वैकल्पिक अध्ययन :

विकल्प 2. तुलसीदास (विशेष अध्ययन)

पेपर एक – आधुनिक हिन्दी काव्य—2

कुल अंक : 100

पास प्रतिशत : 35

आंतरिक मूल्यांकन : 25

अंक आंतरिक मूल्यांकन में पास होने के कुल अंक : 9

लिखित परीक्षा : 75 अंक

लिखित परीक्षा में पास होने के लिए कुल अंक : 26

समय : 3 घण्टे

पद्यमाला, सम्पादक : डॉ. लालचन्द गुप्त 'मंगल', के.के. पब्लिकेशन, दिल्ली (केवल चार कवि : अज्ञेय, मुक्तिबोध, धूमिल, कुमार विकल)

छात्रों और परीक्षकों के लिए निर्देश

1. प्रथम प्रश्न सप्रसंग व्याख्या से संबंधित होगा, जिसमें प्रत्येक पुस्तक से दो-दो व्याख्याएं 'अथवा' के शत प्रतिशत विकल्प रूप में पूछी जाएंगी। पाठ्यक्रम से किसी भी रचनाकार को छोड़ा नहीं जा सकता। तीनों कवियों की एक-एक व्याख्या अनिवार्य है।

6×3=18

2. निर्धारित कवियों/रचनाओं से सम्बद्ध अथवा रूपी विकल्प के साथ छह आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन का उत्तर देना होगा। उल्लेखनीय है कि आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित लेखकों की मूल रचनाओं के खंड विशेष (Text Book) तक ही सीमित न रखकर संबंधित लेखक की

मूल रचना के सम्पूर्ण संदर्भ तथा उसके सम्पूर्ण रचनाकर्म पर भी केन्द्रित हो।

9×3=27

3. छह लघु प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम से बिना विकल्प के पूछे जाएंगे, जिनके उत्तर छह-सात पंक्तियों तक सीमित हों, सभी का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 6×5=30

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक-सूची

1. अज्ञेय कुछ रंग कुछ राग – श्रीलाल शुक्ल
2. अज्ञेय : वागर्थ का वैभव – रमेशचंद्र शाह
3. मुक्तिबोध – सं. लक्ष्मणदत्त गौतम
4. मुक्तिबोध – डॉ. लल्लनराय
5. मुक्तिबोध – डॉ. हुकमचंद राजपाल
6. दूसरे प्रजातंत्र की तलाश में धूमिल – कुमार कृष्ण
7. कटघरे का कवि धूमिल – गणेश तुलसीराम अष्टेकर।

पेपर दो-पाश्चात्य काव्यशास्त्र

कुल अंक : 100

पास प्रतिशत : 35

आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक

आंतरिक मूल्यांकन में पास होने के कुल अंक : 9

लिखित परीक्षा : 75 अंक

लिखित परीक्षा में पास होने के लिए कुल अंक : 26

समय : 3 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. अरस्तू का त्रासदी-विवेचन, अनुकरण-सिद्धांत, विरेचन-सिद्धांत। लॉजाइनस का उदात्त तत्त्व। आई. ए. रिचर्ड्स का मूल्य सिद्धांत। सार्त्र का अस्तित्ववाद। क्रोचे का अभिव्यंजनावाद और नई समीक्षा। विशिष्ट प्रवृत्तियां : मनोविश्लेषण और प्रगतिवाद।
2. विभिन्न साहित्यिक विधाओं की समीक्षा (निर्धारित विधाएं-उपन्यास, कहानी, नाटक, निबन्ध, आलोचना : परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व व प्रकार से संबंधित प्रश्न किए जायेंगे।)

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. इस पेपर में प्रश्न दो स्तरों पर पूछे जाएंगे, पहले स्तर पर आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से चार का उत्तर देना जरूरी होगा। यह प्रश्न परीक्षक पूरे पाठ्यक्रम से इस प्रकार पूछे कि छात्र को पूरे पाठ्यक्रम से उत्तर देना जरूरी हो। दूसरे स्तर

पर पूरे पाठ्यक्रम से सात लघु प्रश्न बिना विकल्प के दिए जाएंगे, जिनका उत्तर छह—सात पंक्तियों में अनिवार्य है।

अंक विभाजन

चार दीर्घ प्रश्न — 10×4=40

सात लघु प्रश्न — 5×7=35

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक—सूची

1. पाश्चात्य काव्य शास्त्र— देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
2. पाश्चात्य समीक्षा की रूपरेखा — प्रताप नारायण टंडन, राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली।
3. पाश्चात्य काव्य शास्त्र — रामपूजन तिवारी।

पेपर तीन : प्रयोजनमूलक हिन्दी

कुल अंक : 100

पास प्रतिशत : 35

आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक

आंतरिक मूल्यांकन में पास होने के कुल अंक : 9

लिखित परीक्षा : 75 अंक

लिखित परीक्षा में पास होने के लिए कुल अंक : 26

समय : 3 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. कामकाजी हिंदी

हिंदी के विभिन्न रूप— मातृभाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा, संचार भाषा, सर्जनात्मक भाषा। कार्यालयी हिंदी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार्य: प्रारूपण, पत्र—लेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण। पारिभाषिक शब्दावली— विशेषताएं। पारिभाषिक शब्दावली— निर्माण के सिद्धांत।

2. संचार माध्यमों की हिंदी :

पत्रकारिता : स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार।

हिंदी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास।

जनसंचार : प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियां।

विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप— मुद्रण, श्रव्य, दृश्य—श्रव्य, इंटरनेट।

हिंदी कंप्यूटिंग : कंप्यूटर— परिचय, रूपरेखा और उपयोग।

साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण।

3. अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार ।

अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि ।

हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका ।

व्यावहारिक : अनुवाद— अभ्यास (अंग्रेजी/पंजाबी से हिंदी और हिंदी से अंग्रेजी/पंजाबी)

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

इस पेपर में प्रश्न दो स्तरों पर पूछे जाएंगे, पहले स्तर पर आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से चार का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न परीक्षक पूरे पाठ्यक्रम से इस प्रकार पूछे कि छात्र को पूरे पाठ्यक्रम से उत्तर देना जरूरी हो। दूसरे स्तर पर पूरे पाठ्यक्रम से सात लघु प्रश्न बिना विकल्प के पूछे जाएंगे, जिनका छह—सात पंक्तियों तक सीमित उत्तर देना अनिवार्य है।

अंक विभाजन

चार दीर्घ प्रश्न — $10 \times 4 = 40$

सात लघु प्रश्न — $5 \times 7 = 35$

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक—सूची

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी : विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
2. हिंदी : विविध व्यवहारों की भाषा : सुवास कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
3. प्रयोजनमूलक हिंदी : विनोद शाही, आधार प्रकाशन, पंचकूला ।
4. राष्ट्रभाषा हिंदी : समस्याएँ और समाधान : देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोकभारती प्रकाशन ।
5. अनुवाद : सिद्धांत व व्यवहार : जयंती प्रसाद नौटियाल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी : डॉ. रामप्रकाश/दिनेश गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
7. जन पत्रकारिता, जन संचार : सूर्य प्रसाद दीक्षित, संजय प्रकाशन, दिल्ली ।
8. अनुवाद : सिद्धांत एवं प्रयोग : जी गोपीनाथन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
9. मीडिया लेखन : सिद्धांत और व्यवहार : चन्द्रप्रकाश मिश्रा, संजय प्रकाशन, दिल्ली ।

पेपर चार : विकल्प दो : तुलसीदास (विशेष अध्ययन)

कुल अंक : 100

पास प्रतिशत : 35

आंतरिक मूल्यांकन : 25

अंक आंतरिक मूल्यांकन में पास होने के कुल अंक : 9

लिखित परीक्षा : 75

अंक लिखित परीक्षा में पास होने के लिए कुल अंक : 26

समय : 3 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. रामचरितमानस : उत्तरकाण्ड संपूर्ण
2. कवितावली : अयोध्याकाण्ड सम्पूर्ण।

छात्रों व परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

(क) प्रथम प्रश्न व्याख्या से संबंधित होगा, इसमें छह व्याख्याएं दी जाएंगी जिसमें तीन की सप्रसंग व्याख्या करनी अनिवार्य होंगी। (6×3=18)

(ख) दूसरे खण्ड में तुलसीदास से संबंधित छह प्रश्न 'अथवा' रूपी विकल्प सहित पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को तीन का उत्तर देना होगा। (9×3=27)

(ग) तीसरे खण्ड में बिना किसी विकल्प के छह लघु प्रश्नों के उत्तर छह-सात पंक्तियों में देना अनिवार्य होगा। (5×6=30)

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. भारतीय सौन्दर्यशास्त्र और तुलसीदास : रामविलास शर्मा, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।
2. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
3. तुलसी : सं. उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

Laser Type-Setting By :

Comp. Lab, Depart. of Distance Education , Punjabi University, Patiala (H.S)